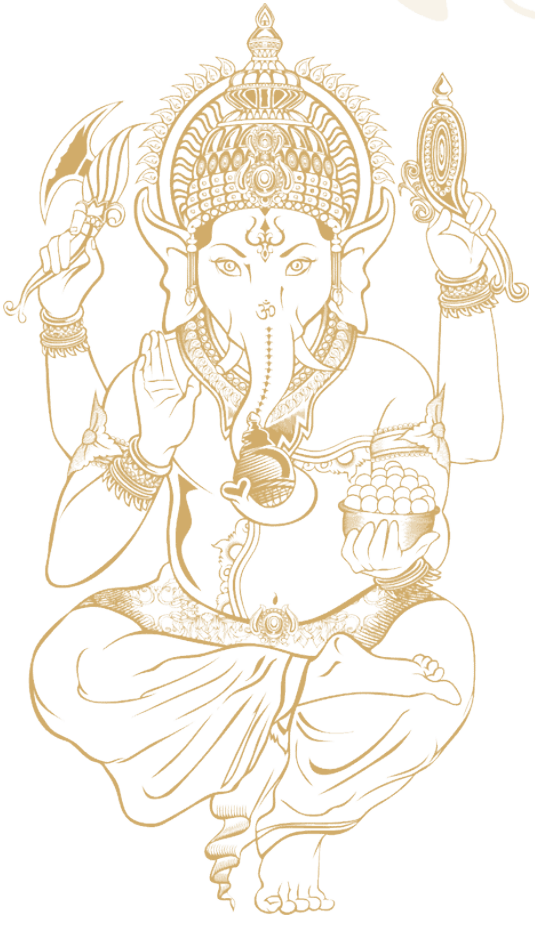

Rahul

08 Jun 2001

09:23 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121280602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/06/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**21:23:00 घंटे**
इष्ट	39:59:43 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:02:12 घंटे
वेलान्तर	00:01:00 घंटे
साम्पातिक काल	14:10:36 घंटे
सूर्योदय	05:23:06 घंटे
सूर्यास्त	19:16:42 घंटे
दिनमान	13:53:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:02:13 वृष
लग्न के अंश	24:30:43 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	24:30:43	367:54:31	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			वृष	24:02:13	00:57:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	23:49:41	12:09:53	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल	व		धनु	00:29:19	00:18:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध	व	अ	मिथु	05:22:53	00:18:34	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	स्वराशि
गुरु		अ	वृष	28:17:19	00:13:50	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	08:15:07	00:57:40	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	वृष	12:18:42	00:07:40	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:28:43	00:00:46	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	12:28:43	00:00:46	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:55:31	00:00:29	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:41:24	00:00:52	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:56:14	00:01:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	11:03:19	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:20

लग्न-चलित

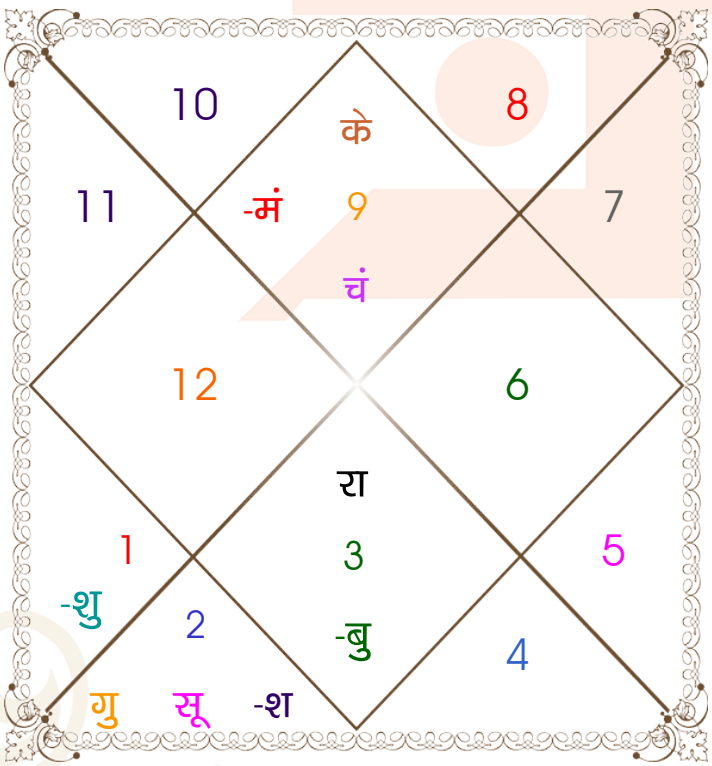

चन्द्र कुंडली

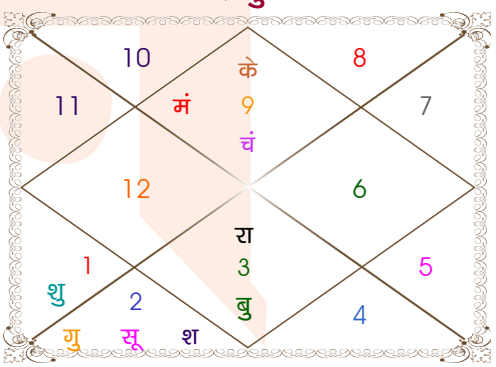

नवमांश कुंडली

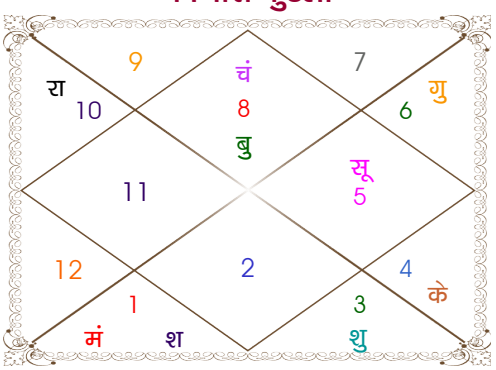

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 3 मास 2 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/06/2001		11/09/2005		11/09/2011		11/09/2021		10/09/2028	
11/09/2005		11/09/2011		11/09/2021		10/09/2028		11/09/2046	
	00/00/0000	सूर्य	29/12/2005	चंद्र	11/07/2012	मंगल	07/02/2022	राहु	24/05/2031
	00/00/0000	चंद्र	30/06/2006	मंगल	09/02/2013	राहु	25/02/2023	गुरु	17/10/2033
	00/00/0000	मंगल	05/11/2006	राहु	11/08/2014	गुरु	01/02/2024	शनि	23/08/2036
	00/00/0000	राहु	29/09/2007	गुरु	11/12/2015	शनि	12/03/2025	बुध	12/03/2039
	00/00/0000	गुरु	18/07/2008	शनि	12/07/2017	बुध	09/03/2026	केतु	30/03/2040
	08/06/2001	शनि	29/06/2009	बुध	11/12/2018	केतु	05/08/2026	शुक्र	31/03/2043
शनि	11/09/2001	बुध	06/05/2010	केतु	12/07/2019	शुक्र	05/10/2027	सूर्य	22/02/2044
बुध	11/07/2004	केतु	11/09/2010	शुक्र	12/03/2021	सूर्य	10/02/2028	चंद्र	23/08/2045
केतु	11/09/2005	शुक्र	11/09/2011	सूर्य	11/09/2021	चंद्र	10/09/2028	मंगल	11/09/2046

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/09/2046		11/09/2062		11/09/2081		11/09/2098		12/09/2105	
11/09/2062		11/09/2081		11/09/2098		12/09/2105		00/00/0000	
गुरु	29/10/2048	शनि	14/09/2065	बुध	07/02/2084	केतु	07/02/2099	शुक्र	11/01/2109
शनि	12/05/2051	बुध	24/05/2068	केतु	03/02/2085	शुक्र	09/04/2100	सूर्य	11/01/2110
बुध	17/08/2053	केतु	03/07/2069	शुक्र	05/12/2087	सूर्य	15/08/2100	चंद्र	12/09/2111
केतु	24/07/2054	शुक्र	01/09/2072	सूर्य	11/10/2088	चंद्र	16/03/2101	मंगल	11/11/2112
शुक्र	24/03/2057	सूर्य	14/08/2073	चंद्र	12/03/2090	मंगल	12/08/2101	राहु	12/11/2115
सूर्य	10/01/2058	चंद्र	15/03/2075	मंगल	09/03/2091	राहु	31/08/2102	गुरु	13/07/2118
चंद्र	12/05/2059	मंगल	23/04/2076	राहु	26/09/2093	गुरु	07/08/2103	शनि	09/06/2121
मंगल	17/04/2060	राहु	28/02/2079	गुरु	02/01/2096	शनि	14/09/2104		00/00/0000
राहु	11/09/2062	गुरु	11/09/2081	शनि	11/09/2098	बुध	12/09/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 3 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।